036 सूरह यासीन.

खुलासा मज़ामीने कुरान उर्दू.| मौलाना मलिक अब्दुर्रउफ साहब.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

ये सूरह कुरान ए करीम की बहुत ही अहम और बरकत वाली सूरतो मेसे हे, इस सूरत के मज़मून का खुलासा मुहम्मदﷺ के सच्चे रसूल होना का एलान और अल्लाह के सिर्फ एक होने का बयान हे, और आखिरत के अकीदे की ताकीद और वज़ाहत हे.

मुहम्मदﷺ के सच्चे रसूल होना का एलान और इन्कार करने वालो का अंजाम. ए करीम मुहम्मदﷺ! हिकमत वाले कुरान की कसम! आप सच्चे रसूल हे और सीधे रास्ते पर हे. कुरान आप पर उतरा हे ताकी आप उन्को डराये जिन्के पास कोई डराने वाला नही आया.

ज़िद्दी लोगो की गर्दनो मे तौक (पट्टा) हे, उन्के सर नीचे नही होते. उन्को समझाना या ना समझाना बराबर हे. आपकी बात वो ही सुनेगा जो नसीहत कबूल करने को तय्यार होगा, और अपने रब से दरेगा. हकका इन्कार करने वाले ज़िन्दा होकर हमारे सामने आयेगा, उस वकत उन्का कच्चा चिठ्ठा सब सामने आ जायेगा.

अम्बिया की आमद और उन्के मान्ने वाले. उन्को बस्ती वालो का किस्सा सुनाये जब उन्के पास दो रसूल आये, उन्की

बात ना मानी गई तो हमने एक तीसरा (रसूल) भी उन्की मदद के लिये भेज दिया, कोम ने कहा- तुम तो हमारी तरह एक इन्सान हो, रहमान ने कुछ नाज़िल नही किया, तुम तो झूठे हो.
अगर तुम (तबलीग) करने से नही रूके, तो तुम पत्थर मार-मार कर कत्ल कर दिये जावोगे. फिर शहर के एक दूसरे किनारे से एक शख्स दोडता हुवा आया, और केहने लगा- लोगो! रसूलो का केहना मानो, ये तुम्से कुछ मांगते तो नही हे. (पारा २२ खतम). (पारा २३ शुरू)
मे उस ज़ात की इबादत क्यू ना करू! जिसने मुझे पैदा किया, मेने उसे छोड दिया तो कौन हे जो मेरे काम आये? मे अपने रब पर ईमान ले आया हू, उस अल्लाह के बन्दा को शहीद कर दिया गया, और वो इ़ज़्ज़त के साथ जन्नत मे दाखिल हुवा. कौम पर चीख का अज़ाब आया जिस्की वजह से वो सब बुझकर रेह गये. अफसोस उन्के हाल पर! के उन्होने हर पैगम्बर का मज़ाक उडाया, वो सब हलाक हुवे और दुन्या मे पलटकर वापस नही आये, उन सब्को कयामत के दिन हमारे सामने हाज़िर होना होगा.

📜 **तौहीद का इन्कार करने वालो का अंजाम.** अल्लाह की कुदरत के निशान देखो! के वोह मुर्दा ज़मीन को ज़िन्दा करके उस्से दाना निकालता हे जिसे तुम खाते हो, उसने खजूरो और अंगूरो के बाग उगाये और चश्मे जारी किये, ये सब कुछ किसी

इन्सान का बनाया हुवा नही हे, अल्लाह का बनाया हुवा हे, पाक हे वोह ज़ात जिसने हर चीझ के जोडे बनाये, ज़मीन से उगने वाली चिझो के भी जोडे बनाये, तुम्हारे और उन चिझो के जिन्को तुम नही जानते उन्के भी जोडे बनाये.

उन्के लिये हमारी कुदरत की एक निशानी ये भी हे कि हम उन्से दिन को हटा देते हे, फिर अंधेरा छा जाता हे, सूरज अपनी मंज़ील की तरफ तेज़ी से चला जा-रहा हे, चांद की मंज़ीले मुकर्रर हे, यहा तकके कम होते-होते एक वकत वो खजूर की सूखी हुई शाख की तरह खोखला होकर रेह जाता हे, ना सूरज के बस्मे हे ये बात हे की वो चांद को जाकर पकडले, और ना रात दिन से पेहले आ सकती हे, सब अपने अपने दायरे (गोल घेरे मे तैर रहे हे) मे सफर कर रहे हे. भरी हुई कश्ती को देखो! उन्हे हम चाहे तो डुबा दे, फिर किसी की कोई फरियाद ना सुनी जाये. और उन्को बुरे कामो के अंजाम से डराया जाता हे लेकिन वो अनसुनी कर देते हे, उन्से कहा जाता हे कि अल्लाह के दिये हुवे पैसे खर्च करो तो केहते हे क्या हम उन्हे क्यू खिलाये जिन्हे अल्लाह खुद चाहता तो खिला देता, इस्लीये उन्की पकड का वकत मुकर्रर हे. और उस वकत ऐसे अचानक पकड लिये जायेगे के उन्को वसीयत करने का भी मौका नही मिलेगा.

📜 **जन्नती और जहन्नामी के हालात.** और जब सूर फूका जायेगा तो लोग कबरो से अपने रब की तरफ दोडते हुवे आयेगे और कहेगे अफसोस हे! हमे हमारी ख्वाबगाहो (Bedrooms) से किसने उठा दिया? फरमाया जायेगा- ये वही कयामत हे जिस्का रहमान ने वादा किया था, और रसूलो का कहा सच हुवा.

आज किसी पर ज़ुलम नही होगा, हर शख्स को अपने किये का बदला मिलेगा, जन्नत वाले मझे लूट रहे होगे, वो भी और उन्की बीविया भी सायो (छाउ) मे तख्तो पर तकिये लगाये बैठे होगे और अपनी पसन्दीदा गिज़ाये और फल खा रहे होगे, लेकिन मुजरिमो को अलग हो जाने का हुक्म दिया जायेगा, और कहा जायेगा अल्लाह का सीधा रास्ता छोडकर तुम शैतान के पीछे चले, इस्लीये अब जहन्नम तुम्हारा ठिकाना हे.

आज तुम्हारे हाथ और पांव बोलेगे, ज़बाने बंध होगी, ये आखिरत की सज़ा होगी, दुन्या मे भी अल्लाह चाहे तो इन ज़ालिमो को अन्धा कर दे, तो उन्हे कुछ भी दिखाई ना दे. और उन्हे उन्की जगह पर ज़मीन मे धसा दे तो ये हिल जुल भी ना सके.

📜 **रिसालत, तौहीद और अच्छे बुरे आमाल का बदला दिये जाने के मसाइल की तकरार.** जिस्को हम लम्बी उम्र देते हे उस्को अंधा कर देते हे, क्या इस्से उन्हे अकल नही आती? हमने आप

को शैर शायरी केहने नही सिखाया, और ना ये आपके लिये मुनासिब था, आप पर कुरान नाज़िल हुवा, जो ज़िन्दा लोगो के लिये नसीहत हे.

लोग गोर नही करते कि हमने उन्के लिये चौपाय (चार पैर वाला जानवर) पैदा किये, चौपायो को उन्के बस्मे कर दिया, उन चौपायो मे उन्के लिये तरह-तरह के फायदे हे. मगर ये लोग अल्लाह के सिवा और-ओ को अपने लिये नफा नुकसान पहुंचाने वाला ख्याल करते हे, आप उन्के बारे मे गम ना करे.

ये केहते हे कि मरने के बाद कौन ज़िन्दा करेगा? वोही जिसने पेहली बार पैदा किया था. जो हरे दरख्त से आग पैदा करता हे, जिस्से तुम अपने चूल्हे गर्म करते हो, पेहली बार पैदा करने वाला दूसरी बार क्यू पैदा नही कर सकेगा? उस्का काम तो ये हे कि जिस काम को कहे कि 'हो जा'! तो वोह हो जाता हे.

पाक हे वोह ज़ात जिस्के हाथ (कब्ज़े) मे हर चीझ का इख्तियार हे और सब्को उसीकी तरफ लौट कर जाना हे.